

प्रेषक,

आलोक कुमार जैन,  
प्रमुख सचिव, वित्त,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त विभागाध्यक्ष/कार्यालयाध्यक्ष,  
उत्तराखण्ड शासन।

वित्त(वे0आ0-सा0नि0)अनु0-7

देहरादून:दिनांक: 25 अप्रैल, 2008

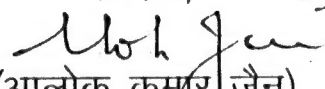
**विषय:**—वर्ष 1986 के पूर्व तथा बाद के पेंशनरों/पारिवारिक पेंशनरों की पेंशन/पारिवारिक पेंशन के संशोधन के लिए आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया जाना।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक कार्यालय ज्ञाप संख्या-3-1062/दस-308/97, दिनांक 24-8-98 में दिनांक 01-01-86 के पूर्व के पेंशनरों की पेंशन/पारिवारिक पेंशन के पुनरीक्षण हेतु आवेदन-पत्र देने के लिए 180 दिन की निर्धारित समय-सीमा समाप्त होने के बाद उत्तर प्रदेश राज्य में समय-समय पर सीमा बढ़ाये जाने हेतु शासनादेश जारी हुए है किन्तु राज्य गठन की तिथि दिनांक 9 नवम्बर, 2000 से कोई समयावधि इसके लिये नहीं बढ़ायी गयी है।

2. इस संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि प्रदेश के विभिन्न पेंशनर्स संघ एवं पेंशनर/पारिवारिक पेंशनर यह मांग कर रहे हैं कि चूंकि प्रदेश के अन्दर एवं प्रदेश के बाहर निवास कर रहे अनेक पेंशनरों को इस सुविधा की जानकारी न होने के कारण वे अपने आवेदन-पत्र प्रस्तुत नहीं कर सके हैं अतः आवेदन-पत्र देने की समय-सीमा और बढ़ा दी जाय। पेंशन संशोधन पेंशनर्स का इनटाइटलमेन्ट है। अतः सम्यक विचारोपरान्त शासन द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि जो पेंशनर/पारिवारिक पेंशनर दिनांक 01-01-1986 या दिनांक 01-01-1996 से मानक के अनुसार पेंशन/पारिवारिक पेंशन संशोधन हेतु आवेदन-पत्र प्रस्तुत नहीं कर सके थे या वेतन आयोग/समिति/शासनादेश के अनुरूप किसी कारण पेंशन पुनरीक्षित नहीं हो पायी थी, वह आवेदन पत्र/अभिलेख प्रस्तुत कर नियमानुसार पेंशन पुनरीक्षित करा सकते हैं।

भवदीय,

  
(आलोक कुमार जैन)  
प्रमुख सचिव वित्त।

संख्या: 152 (1)/xxvii(7)/2008 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. समस्त कोषाधिकारी / वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
3. प्रदेश महासचिव, सेवानिवृत्त राजकीय पेंशनर्स संगठन कार्यालय-6, प्रीत विहार, निरंजनपुर, पो0आ0-माजरा, देहरादून, उत्तराखण्ड।
4. निदेशक, एन0आई0सी0 उत्तराखण्ड राज्य एकक।
5. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(टी0एन0 सिंह)

अपर सचिव।